सीएसआईआर-सीरी में सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह का आयोजन

राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान, नई दिल्ली से प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुसार सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी में दिनांक 19-25 नवंबर, 2020 तक सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह के रूप में मनाया गया। यह आयोजन प्रतिवर्ष इसी अवधि में किया जाता है। संस्थान के सहकर्मियों को राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान की गतिविधियों से अवगत कराने के लिए 19 नवंबर, 2020 को संस्थान में प्रतिष्ठान से प्राप्त पोस्टर लगाए गए और कार्मिकों को इसका परिचय दिया गया।

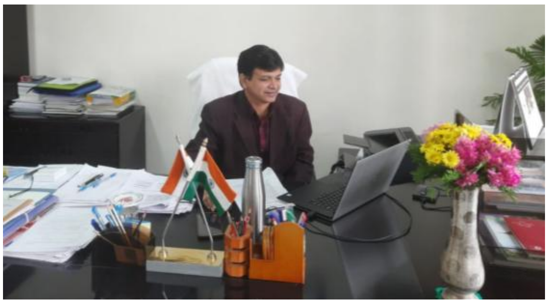

सांप्रदायिक सौहार्द अभियान सप्ताह में सहकर्मियों को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया

दिनांक 24 नवंबर, 2020 को संस्थान के निदेशक **डॉ पी सी पंचारिया** ने एम एस टीम्स के माध्यम से सभी सहकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा देश भिन्न-भिन्न धर्मों व संप्रदायों के अनुयायियों का देश है। उन्होंने भारतीय संविधान का संदर्भ देते हुए कहा कि हमारे संविधान में सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय के साथ साथ विचारों की अभिव्यक्ति एवं धर्म और उपासना की स्वतंत्रता भी प्रदान की गई है। इस अवसर पर अपने संक्षिप्त संबोधन में उन्होंने सभी सहकर्मियों से अनुरोध किया कि हम सभी सदैव अपने सांप्रदायिक एवं सामाजिक सौहार्द को बनाए रखें और एक-दूसरे की भावनाओं का आदर करते हुए देश के उत्तरोत्तर विकास में अपना यथासंभव योगदान दें।

इसके अतिरिक्त 24 नवंबर को संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक **डॉ पी के खन्ना** ने **सांप्रदायिक सद्भाव तथा राष्ट्रीय अखंडता** विषय पर एम एस टीम्स के माध्यम से लोकप्रिय व्याख्यान/प्रस्तुतीकरण दिया। अपने व्याख्यान में डॉ खन्ना ने राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान, नई दिल्ली का संक्षिप्त परिचय दिया तथा इसकी स्थापना के उद्देश्यों एवं कार्यकलापों पर प्रकाश डाला। देश में सांप्रदायिक सौहार्द के महत्व पर चर्चा करते हुए उन्होंने देश के स्वतंत्रता आंदोलन के परिप्रेक्ष्य में इसके योगदान को रेखांकित किया।

सांप्रदायिक सद्भाव तथा राष्ट्रीय अखंडता विषय पर अपना लोकप्रिय व्याख्यान देते हुए डॉ पी के खन्ना, मुख्य वैज्ञानिक

इससे पूर्व, आयोजन के संयोजक **श्री रमेश बौरा,** राजभाषा एवं जनसंपर्क अधिकारी ने सभी सहकर्मियों को आयोजन की पृष्ठभूमि से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह प्रतिष्ठान सांप्रदायिक, जातीय और आतंकवादी हिंसा के शिकार अनाथ बच्चों के पुनर्वास व शिक्षा आदि जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी करता है। अंत में उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए निदेशक महोदय को आयोजन की अनुमति व उनके मार्गदर्शन के लिए तथा डॉ पी के खन्ना को उनके रोचक व्याख्यान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आयोजन में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से सहयोग करने के लिए सभी सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह के अंतर्गत 25 नवंबर 2020 को झंडा दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें प्रतिष्ठान के निदेशानुसार डॉ विजय चटर्जी, वैज्ञानिक की अध्यक्षता में गठित टीम ने संस्थान के सहकर्मियों से धनराशि का संग्रहण किया। इस धनराशि को सचिव, राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान, नई दिल्ली को भेजा गया।